सं. मो.वि./एफ.डी./71-86/33923.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० ग्राटो ग्लाईड प्रा० लि०, प्लाट नं० 64, सैक्टर-6, फरीदाबाद के श्रमिक श्री जगदीश प्रसाद, मकान नं० 418, जयाहर कलोनी, फरीदाबाद तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके वाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है:

श्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल बिवाद को त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 का उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई श्रिवतयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यकाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधसूत्रना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए श्रिधसूत्रना सं० 11493-जी-धम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिधनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदावाद को विवादश्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादश्रस्त मामला है या विवाद से गुसंगत श्रथना सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री जगदीज प्रसाद की सेवा समाप्त की गई है या उसने स्वयं गैर हाजिर होकर नौकरी से पूर्नग्रहणाधिकार (लियन) खोया है ? इस विन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है?

सं. स्रो.वि./पानी/86-86/33930.—चंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० वी. जी. एम. एस. सैन्टर प्रेस, गांव कुटेल, जिला करनाल के श्रमिक श्रामती श्यामो देवी मार्फत भारतीय मजदूर संघ, जी.टी. रोड़, पानीपत तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई गिवतियों का प्रयोग करने हुने हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिमूचना सं० 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गाँठत श्रम न्यायालय, अम्बाला को विवादअस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय-निर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादअस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्रीमती श्यामो देवी की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, नो वह किस राहत की हकदार है ?

सं० थ्रो.वि./पानी/86-86/33936.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० थी. जी. एम. एस. सैन्टर प्रैस, गांव कुटेल, जिला करनाल के श्रमिक श्रीमती भामो देवी मार्फत भारतीय मजदूर संघ, जी. टी. रोड़, पानीपत तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

श्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम. 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गर्ड शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 3(44)84—3—श्रम, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1984 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय- निर्णय एयं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्रीमती भामो देवी की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं बो विव /एफ बी वे / 135-86 / 33942.— बूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं मारुति इलैक्ट्रोनिक्स प्राव लिं , सैक्टर 27ए, फरीदाबाद के श्रमिक श्री लख्मन सिंह मार्फत श्री एस के डांगी, मकान नं 2876, जवाहर कालोनी, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद जिखित मामलें में कोई खौद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा विवाद को राज्यपाल की न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

٢

इसलिये, ग्रब, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गर्द मिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुये ग्रिधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुमंगत या उससे मम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय
िर्मिण्य एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :---

क्या श्री लखमन सिंह, पुत्र श्री हरिचरण सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० भ्रो०वि०/एफ०डी०/73-86/33949.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० उपा इलैक्ट्रोनिक्स इण्डिया प्रा० लि०, प्लाट नं० 21-22, सैक्टर-25, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री सुभाष चन्द्र यादव, सुपुत्र श्री विजय सिंह यादव, ग्राम मलेरना सहसील व डा० बलवगढ़, जिला फरीदाबाद, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई भौद्योगिक विवाद है;

भौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रव, श्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गर्द शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं० 5415—3—श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुये ग्रिधसूचना सं० 11495—जी—श्रम 57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे स्संगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनणय एवं पंचाद तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से स्संगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री सुभाष चन्द्र यादव की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो॰वि॰/एफ॰डी॰/गृड़गांव/८०-८६/33955.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि परिवहन ग्रायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़, (2) जनरल मैनेजर, हरियाणा रोड़वेज, गुड़गांव, के श्रमिक श्री जयनारायण, सुपुत्र श्री गनपत सिंह, गांव बुदानी, डा॰ तुर्कीयावास, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़ तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है; ग्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, श्रब, श्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं० 5415—3—श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए ग्रधिसूचना सं० 11495—जी—श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय- निर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री जयनारायण की सेवाओं का समापन त्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं० म्रो०वि०/एफ०डी०/134-86/33963.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० ट्रैक्टेल टीरफार इण्डिया प्रा० लि०, 14/6, मथुरा रोड़, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री मनबहादुर मार्फत म्रखिल भारतीय किसान मजदूर संगठन, सराय खोजा, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को त्यायनिर्णय हैतु निर्दिष्ट करना बाछनीय समझते हैं;

इसलिये, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुये अधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिनियम की घारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय-निर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित मामला है :--

क्या श्री मनबहादुर की सेवासमान्त की गई या उसने स्वयंत्याग-पत्र देकर नौकरी छोड़ी है ? इस विस्दुपर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?